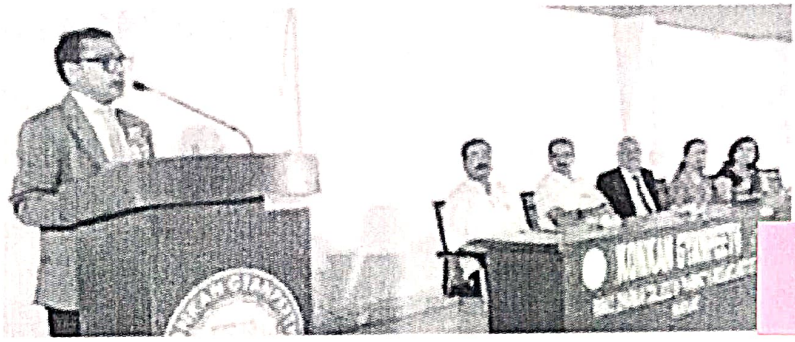
26 Oct. 2023

जीवन में सफल होने के लिए सकारात्मकता जरूरी है - नितिन पाटिल

भोर वैभव । विजय मांडे



कर्जत - 'सकारात्मक बने रहने के लिए, यदि आप हमेशा अपने भीतर से सकारात्मक बयान देते हैं जैसे कि मैं सर्वश्रेष्ठ हूं, मैं शक्तिशाली हूं, मैं निडर हूं, मैं ऊर्जावान हूं, मैं ऊर्जावान हूं, मैं आश्वस्त हूं, मैं विजेता हूं, मैं कभी भी हार नहीं मानने वाला हूं। निःस्वार्थता का भजन समाप्त करते हुए, आप वही बन जाते हैं। एक सकारात्मक दृष्टिकोण, मजबूत आत्मविश्वास, एक लक्ष्य के प्रति लगातार कार्रवाई जीवन में सफलता की त्रिमूर्ति है।

हमें अपने जीवन में जो कुछ भी मिला है, उत्तुंग भरारी ट्रेनिंग एकेडमी के संस्थापक नितिन पाटिल ने एक महत्वपूर्ण बात कही कि उसके प्रति आभार व्यक्त करने से मन में सकारात्मक भावनाएं पैदा होती हैं, इसलिए हमेशा आभार व्यक्त करना चाहिए।

कोंकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर कॉलेज ऑफ फार्मेसी की ओर से शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। उत्तुंग भरारी प्रशिक्षण अकादमी के संस्थापक नितिन पाटिल ने दीप प्रज्वलित और श्री गणेश की पूजा करके समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कॉलेज विकास समिति के सदस्य विजय मांडे, प्राचार्य डॉ. मोहन काले, फार्मेसी डिप्लोमा विभाग की प्रमुख प्रो. मनीषा चौधरी, अभिभावक प्रतिनिधि सुरेंद्र कदम, पल्लवी साल्वी आदि उपस्थित थे.

प्राचार्य डॉ. काले ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा परिचय में महाविद्यालय के बढ़ते ग्राफ को प्रस्तुत किया। अभिभावक प्रतिनिधि कदम ने बताया, 'हमें विश्वास है कि हमारे बच्चों को एक अच्छे कॉलेज में शिक्षा मिलेगी क्योंकि हमारे बच्चों की प्रवेश प्रक्रिया के दौरान कम समय के भीतर हमें इस कॉलेज के कर्मचारियों के साथ अच्छा अनुभव हुआ है। साल्वी ने कॉलेज की तारीफ भी की. इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रूपाली ने डिग्री विभाग के बारे में बताया और प्रोफेसर मनीषा चौधरी ने कॉलेज के पाठ्यक्रम से लेकर परीक्षा पैटर्न, नियम और शर्तों तक डिप्लोमा विभाग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। लैब सहायक रेवती देशपांडे ने बताया कि छात्रों को लैब स्कूल में नियमों का पालन कैसे करना चाहिए और रसायनों को संभालते समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए। विजय मांडे ने बताया कि हमारा कॉलेज 2006-2007 में शुरू हुआ था लेकिन आज तक यहां कोई रैंगिंग नहीं हुई है, कॉलेज होते हुए भी हम इसे स्कूल की तरह देखते हैं। समन्वय प्रा. प्रणिता भांगरे द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ. बबन ठवकर, प्रो. डॉ. उज्वला थुबे, डॉ. सतीश पांडव, डॉ. प्रदीप कुमार वाघुले, प्रो. अनिकेत इंदुलकर, प्रो. हेमंत ढाकने, प्रो. स्वीटी भोपी, प्रो. स्वप्निल फलक, प्रो. अक्षता गीध, प्रो. सिस्टम गुडे, प्रो. वैष्णवी काले, प्रो. भाग्यश्री सूर्यवंशी, प्रो. पूजा मोधले, प्रो. चेतना वाघ, प्रो. स्वाति चुंबले, प्रो. श्वेता डांगट और अन्य गैर-शिक्षण कर्मचारी, अभिभावक और छात्र उपस्थित थे।

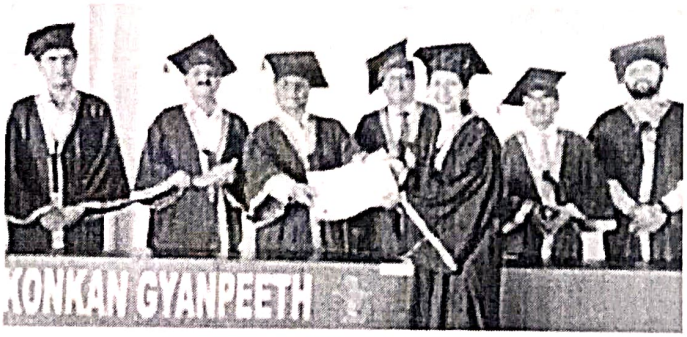


छात्रों को रुचि का क्षेत्र पाकर अवसर का लाभ उठाना चाहिए- डॉ. राकेश तिरपुडे

भोर वैभव । विजय मांडे

कर्जत - छात्रों को अपना मूल्यांकन करना चाहिए और अपने सकारात्मक अंक बनाए रखते हुए अपने कमजोर बिंदुओं में सुधार करना चाहिए। पहले अपनी रुचि का क्षेत्र तय करें और फिर अवसर प्राप्त करें। अवसर का लाभ उठाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए तैयार रहें। डॉ. राकेश तिरपुडे, पूर्व उपायुक्त, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नागपुर डिवीजन ने यहां एक महत्वपूर्ण बयान दिया कि छात्रों को ईमानदारी का अध्ययन करने, अपने सर्वश्रेष्ठ, अनुशासन, पेशेवर नैतिकता और पेशेवर प्रथाओं, आत्म-विकास के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है।

कोंकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर कॉलेज ऑफ फार्मेसी के सेमिनार हॉल में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया. समारोह का उद्घाटन डॉ. राकेश तिरपुडे ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस



अवसर पर कमलेश वैद्य, श्रेयस चिटनिस, उत्तुंग भरारी अकादमी के संस्थापक नितिन पाटिल, कॉलेज विकास समिति के सदस्य विजय मांडे और अन्य उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. मोहन काले ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और परिचय में महाविद्यालय के शैक्षणिक कार्यों का सिंहावलोकन प्रस्तुत किया।

डॉ. तिरपुडे ने अपने निर्देशित ध्यान में कहा कि श्री एक्स कोविड महामारी के दौरान राजनीतिक दबाव में थे। फिर भी उन्होंने रेमडेसिविर के उत्पादन और आम जनता तक इसकी आपूर्ति का प्रबंधन और इस भारी दबाव को कैसे संतुलित किया? छात्रों को इन मूल्यों को अपने भीतर रखना चाहिए और तदनुसार अच्छे और संतुलित निर्णय लेने चाहिए। जब तक आपको ऐसा नहीं लगता कि आप कुछ गलत कर रहे हैं या अपने व्यावसायिक मूल्यों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, तब तक आपको आगे बढ़ने और काम करते रहने की सलाह दी जाती है।

नितिन पाटिल एक्शन फॉर्मूले को विस्तार से समझाते हुए कहते हैं कि ए- एक्ट- जो होना चाहिए उससे पहले ही हो रहा है, एक्ट करो। सी कॉसिस्टेंसी - निरंतरता, कोई भी कार्य करें, उसमें निरंतरता रखें। टी अपनी सुरक्षा को प्रशिक्षित करें - स्वयं को प्रशिक्षित करें। आय - नवोन्मेषी - नवोन्मेषी चीजें करना है। ओ - आशावादी - हमेशा सकारात्मक रहें। एन - नया यू - एक लक्ष्य की ओर कार्य करें। उन्होंने कहा, "इसमें लगातार बने रहने, समय-समय पर खुद को प्रशिक्षित करने, सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ नवीन चीजें रखने से आप एक विशेष नए व्यक्तित्व का निर्माण करेंगे।" कमलेश वैद्य ने भी चिंता व्यक्त की. कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को दीक्षांत प्रमाण पत्र वितरित कर किया गया। सहायक प्रोफेसर अश्विनी भोईर ने संचालन किया जबकि प्रोफेसर स्वप्निल फलक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोकमत



कोकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयातील सेमिनार हॉलमध्ये दीक्षान्त समारंभात विद्यार्थ्यांना गौरविण्यात आले.

आवडीचे क्षेत्र मिळवून संधीचे सोने करा!

डॉ. राकेश तिरपुडे यांचे प्रतिपादन

लोकमत न्यूज नेटवर्क

कर्जत : विद्यार्थ्यांनी स्वतःचे मूल्यमापन करावे. त्यांचे सकारात्मक गुण राखून कमकुवत मुद्द्यांवर सुधारणा करावी. प्रथम तुमच्या आवडीचे क्षेत्र ठरवा आणि नंतर संधी मिळवा. संधीचे सोने करण्यासाठी सर्वोत्तम प्रयत्न करण्यास तयार राहा. विद्यार्थ्यांनी प्रामाणिकपणा, स्वत:च्या सर्वोत्तम क्षमतेसाठी प्रयत्न, शिस्त, व्यावसायिक नैतिकता आणि व्यावसायिक पद्धती, आत्मविकास याचा अभ्यास करणे आवश्यक आहे, असे प्रतिपादन नागपूर विभागाचे अन्न व औषध प्रशासन माजी उपायुक्त डॉ. राकेश तिरपुडे यांनी येथे केले.

कोकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयातील सेमिनार हॉलमध्ये दीक्षान्त समारंभाचे आयोजन करण्यात आले होते. डॉ. राकेश तिरपुडे यांच्या हस्ते दीप प्रज्वलित करून समारंभाचे उद्घाटन करण्यात आले. याप्रसंगी जेनेरिकर्ट प्रा. लि. कंपनीचे कमलेश वैद्य, श्रेयस चिटणीस, उत्तुंग भरारी अकादमीचे संस्थापक नितीन पाटील, महाविद्यालयीन विकास समिती सदस्य विजय मांडे आदी उपस्थित होते. प्राचार्य डॉ. मोहन काळे यांनी उपस्थितांचे स्वागत करून प्रास्ताविकात महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक कार्याचा आढावा सादर केला. सूत्रसंचालन सहायक प्राध्यापक अश्विनी भोईर यांनी केले. प्रा. स्वप्निल फालक यांनी आभार मानले. याप्रसंगी शिक्षक व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

Hello Raigad
Page No. 4 Oct 05, 2023
Powered by: erelego.com

Daily Shiv Nirnay
शिव निर्णय
रायगड, सातारा, पुणे, सोलापूर.
05 Oct 2023 - Page 5

विद्यार्थ्यांनी आवडीचे क्षेत्र मिळवून संधीचे सोने केले पाहिजे : डॉ. तिरपुडे



शिव निर्णय / कर्जत : विद्यार्थ्यांना स्वतःचे मूल्यमापन करण्यास आणि त्यांचे सकारात्मक गुण राखून कमकुवत मुद्यांवर सुधारणा करावी प्रथम तुमच्या आवडीचे क्षेत्र ठरवा आणि नंतर संधी मिळवा. मिळालेल्या संधीचे सोने करण्यासाठी सर्वोत्तम प्रयत्न करण्यास तयार रहा. विद्यार्थ्यांनी प्रामाणिकपणा, स्वतःच्या सर्वोत्तम क्षमतेसाठी प्रयत्न, शिस्त, व्यावसायिक नैतिकता आणि व्यावसायिक पद्धती, आत्मविकास याचा अभ्यास करणे आवश्यक आहे.' असे महत्वपूर्ण प्रतिपादन नागपूर विभागाचे अन्न व औषध प्रशासन माजी उपायुक्त डॉ. राकेश तिरपुडे यांनी येथे केले.

कोंकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयातील सेमिनार हॉल मध्ये दीक्षांत समारंभाचे आयोजन करण्यात आले होते. डॉ. राकेश तिरपुडे यांच्या हस्ते दीप प्रज्वलित करून समारंभाचे उदघाटन करण्यात आले. याप्रसंगी जेनेरिकर्ट प्रा. लि. कंपनीचे कमलेश वैद्य, श्रेयस चिटणीस, उत्तुंग भरारी अकादमीचे संस्थापक नितीन पाटील, महाविद्यालयीन विकास समिती सदस्य विजय मांडे आदी उपस्थित होते. प्राचार्य डॉ. मोहन काळे यांनी उपस्थितांचे स्वागत करून प्रास्ताविकात महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक कार्याचा आढावा सादर केला.

नितीन पाटील यांनी, ॲक्शन फॉर्म्युला सविस्तरपणे सांगताना, ए - ॲक्ट - केल्याने होत आहे रे आधी केलेची पाहिजे, कृती करा. सी कंसिस्टंसी - सातत्य, कोणतीही कृती करा, त्यामध्ये सातत्य ठेवा. टी - ट्रेन युवर सेफ - स्वतःला प्रशिक्षित करा. आय - इनोवेटीव्ह - नाविन्यपूर्ण गोष्टी करा. ओ - ऑप्टिमिस्ट - नेहमी सकारात्मक रहा. एन - न्यु यु - ध्येयाप्रती कृती करा. म्हणजेच या मध्ये सातत्य ठेवून, वेळोवेळी स्वतःला प्रशिक्षित करून, नाविन्यपूर्ण गोष्टी सकारात्मक दृष्टिकोन ठेवून केल्यास, तुम्ही एक विशेष नवीन व्यक्तिमत्त्व साकाराल.' असे स्पष्ट केले. कमलेश वैद्य यांनीही मनोगत व्यक्त केले. विद्यार्थ्यांना दीक्षांत प्रमाणपत्र वाटप करून कार्यक्रमाची सांगता करण्यात आली. सूत्रसंचालन सहाय्यक प्राध्यापक

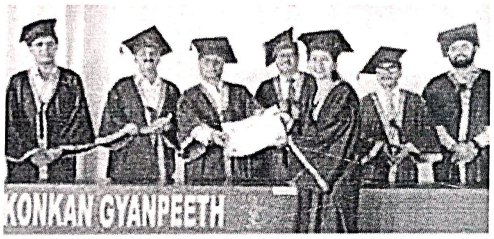
अश्विनी भोईर यांनी केले तर आभार प्रदर्शन प्रा. स्वप्नील फालक यांनी केले. याप्रसंगी शिक्षक व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

छात्रों को रुचि का क्षेत्र पाकर अवसर का लाभ उठाना चाहिए- डॉ. राकेश तिरपुडे

भोर वैभव । विजय मांडे

कर्जत - छात्रों को अपना मूल्यांकन करना चाहिए और अपने सकारात्मक अंक बनाए रखते हुए अपने कमजोर बिंदुओं में सुधार करना चाहिए। पहले अपनी रुचि का क्षेत्र तय करें और फिर अवसर प्राप्त करें। अवसर का लाभ उठाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए तैयार रहें। डॉ. राकेश तिरपुडे, पूर्व उपायुक्त, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नागपुर डिवीजन ने यहां एक महत्वपूर्ण बयान दिया कि छात्रों को ईमानदारी का अध्ययन करने, अपने सर्वश्रेष्ठ, अनुशासन, पेशेवर नैतिकता और पेशेवर प्रथाओं, आत्म-विकास के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है।

कोंकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर कॉलेज ऑफ फार्मेसी के सेमिनार हॉल में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया. समारोह का उद्घाटन डॉ. राकेश तिरपुडे ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस



अवसर पर कमलेश वैद्य, श्रेयस चिटनिस, उत्तुंग भरारी अकादमी के संस्थापक नितिन पाटिल, कॉलेज विकास समिति के सदस्य विजय मांडे और अन्य उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. मोहन काले ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और परिचय में महाविद्यालय के शैक्षणिक कार्यों का सिंहावलोकन प्रस्तुत किया।

डॉ. तिरपुडे ने अपने निर्देशित ध्यान में कहा कि श्री एक्स कोविड महामारी के दौरान राजनीतिक दबाव में थे। फिर भी उन्होंने रेमडेसिविर के उत्पादन और आम जनता तक इसकी आपूर्ति का प्रबंधन और इस भारी दबाव को कैसे संतुलित किया? छात्रों को इन मूल्यों को अपने भीतर रखना चाहिए और तदनुसार अच्छे और संतुलित निर्णय लेने चाहिए। जब तक आपको ऐसा नहीं लगता कि आप कुछ गलत कर रहे हैं या अपने व्यावसायिक मूल्यों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, तब तक आपको आगे बढ़ने और काम करते रहने की सलाह दी जाती है।

नितिन पाटिल एक्शन फॉर्मूले को विस्तार से समझाते हुए कहते हैं कि ए- एक्ट- जो होना चाहिए उससे पहले ही हो रहा है, एक्ट करो। सी कंसिस्टंसी - निरंतरता, कोई भी कार्य करें, उसमें निरंतरता रखें। टी - अपनी सुरक्षा को प्रशिक्षित करें - स्वयं को प्रशिक्षित करें। आय - नवोन्मेषी - नवोन्मेषी चीजें करता हूं। ओ - आशावादी - हमेशा सकारात्मक रहें। एन - नया यू - एक लक्ष्य की ओर कार्य करें। उन्होंने कहा, "इसमें लगातार बने रहने, समय-समय पर खुद को प्रशिक्षित करने, सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ नवीन चीजें रखने से आप एक विशेष नए व्यक्तित्व का निर्माण करेंगे।" कमलेश वैद्य ने भी चिंता व्यक्त की. कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को दीक्षांत प्रमाण पत्र वितरित कर किया गया। सहायक प्रोफेसर अश्विनी भोईर ने संचालन किया जबकि प्रोफेसर स्वप्निल फलक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

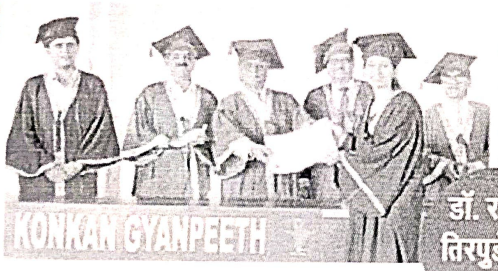
शब्दांना सत्याची धार
प्रहार

कोकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयात दीक्षांत समारंभ

विद्यार्थ्यांनी आवडीचे क्षेत्र मिळवून संधीचे सोने केले पाहिजे

◆ कर्जत (वार्ताहर) :

विद्यार्थ्यांनी स्वत:चे मूल्यमापन करण्यास आणि त्यांचे सकारात्मक गुण रुजून कमकुवत मुद्यांवर सुधारणा करावी, प्रथम तुमच्या आवडीचे क्षेत्र ठरवा आणि नंतर संधी मिळवा. मिळालेल्या संधीचे सोने करण्यासाठी सर्वोत्तम प्रयत्न करण्यास तयार राहा. विद्यार्थ्यांनी प्रामाणिकपणा, स्वत:च्या सर्वोत्तम क्षमतेसाठी प्रयत्न, शिस्त, व्यावसायिक नैतिकता आणि व्यावसायिक पद्धती, आत्मविकास याचा अभ्यास करणे आवश्यक आहे, असे प्रतिपादन नागपूर विभागाचे अन्न व औषध प्रशासन माजी उपायुक्त डॉ. राकेश तिरपुडे यांनी येथे केले. कोकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयातील सभागृहात दीक्षांत समारंभाचे आयोजन करण्यात आले होते. त्यावेळी ते बोलत होते.



डॉ. राकेश तिरपुडे यांचे प्रतिपादन

डॉ. राकेश तिरपुडे यांच्या हस्ते दीप प्रज्वलित करून समारंभाचे उद्घाटन करण्यात आले. याप्रसंगी जेनेरिकर्ट प्रा. लि. कंपनीचे कमलेश वैद्य, श्रेयस चिटणीस, उत्तुंग भरारी अकादमीचे संस्थापक नितीन पाटील, महाविद्यालयीन विकास समिती सदस्य विजय मांडे आदी उपस्थित होते. प्राचार्य डॉ. मोहन काळे यांनी उपस्थितांचे स्वागत करून प्रास्ताविकात महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक कार्याचा आढावा सादर केला.

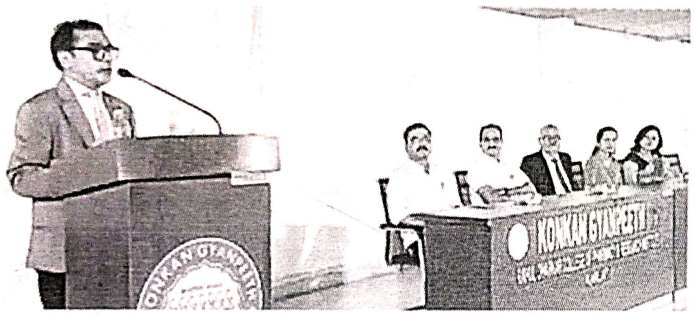
यावेळी नितीन पाटील यांनी अक्रोन फॉर्म्युला सविस्तरपणे सांगताना म्हटले की, ए - ॲक्ट - केल्याने होत आहे रे आधी केलेची पाहिजे, कृती करा. सी कंसिस्टन्सी - सातत्य, कोणतीही कृती करा, त्यामध्ये सातत्य ठेवा. टी - ट्रेन युवर सेफ - स्वत:ला प्रशिक्षित करा. आय - इनोव्हेटिव्ह - नाविन्यपूर्ण गोष्टी करा. ओ - ऑप्टिमिस्ट - नेहमी सकारात्मक राहा. एन - न्यु यु - धेय्याप्रति कृती करा. म्हणजेच यामध्ये सातत्य ठेवून वेळोवेळी स्वत:ला प्रशिक्षित करून नाविन्यपूर्ण गोष्टी सकारात्मक दृष्टिकोन ठेवून केल्यास तुम्ही एक विशेष नवीन व्यक्तिमत्त्व साकाराल, असे स्पष्ट केले.

डॉ. तिरपुडे यांनी आपल्या मार्गदर्शनपर मनोगतात सांगितले की, कोविड महामारीच्या काळात मिस्टर एक्स हे राजकीयदृष्ट्या दबावाखाली होते, तरीही त्यांनी रामडेसिव्हिरचे उत्पादन आणि त्याचा पुरवठा सामान्य जनतेला कसा व्यवस्थापित केला आणि या प्रचंड दबावाला संतुलित केले. विद्यार्थ्यांनी स्वत:मध्येही मूल्य जपून ठेवावीत आणि त्या आनुषंगाने योग्य आणि संतुलित निर्णय घ्यावा. जोपर्यंत तुम्हाला असे वाटत नाही की तुम्ही काही चुकीचे करीत नाही किंवा तुमच्या व्यावसायिक मूल्यांना हानी पोहोचत नाही, तोपर्यंत पुढे जा आणि कार्य करीत राहा, असा सल्लाही दिला. कमलेश वैद्य यांनीही मनोगत व्यक्त केले. विद्यार्थ्यांना दीक्षांत प्रमाणपत्र वाटप करून कार्यक्रमाची सांगता करण्यात आली. सूत्रसंचालन सहाध्यक प्राध्यापक अश्विनी भोईर यांनी केले, तर आभारप्रदर्शन प्रा. स्वप्नील फालक यांनी केले. याप्रसंगी शिक्षक व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

Mumbai Edition
Oct, 05 2023 Page No, 6
https://epaper.prahaar.in

पुण्य नगरी

शिक्षक-पालक सभेत विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन



कर्जत : जीवनात यशस्वी होण्यासाठी सकारात्मक दृष्टिकोन, दृढ आत्मविश्वास, ध्येयाप्रती सातत्यपूर्ण कृती ही त्रिसूत्री स्वीकारणे गरजेचे आहे. आपल्या जीवनात जे काही आपल्याला मिळाले आहे त्याबद्दल कृतज्ञता व्यक्त केल्यास मनात सकारात्मक भावना निर्माण होते, म्हणून नेहमी कृतज्ञता व्यक्त केली पाहिजे, असे प्रतिपादन नितीन पाटील यांनी केले.

कोकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयाच्या वतीने शिक्षक-पालक सभेचे आयोजन करण्यात आले होते. याप्रसंगी डिग्री विभागाच्या बद्दल सहयोगी प्राध्यापिका डॉ. रुपाली येवले तर डिप्लोमा विभागाबद्दल प्राध्यापिका मनीषा चौधरी यांनी अभ्यासक्रमापासून ते परीक्षेचा पॅटर्न महाविद्यालयातील नियम व अटींबद्दल सविस्तर माहिती दिली. प्रयोगशाळा सहाय्यक रेवती देशपांडे यांनी प्रयोगशाळेत विद्यार्थ्यांनी कसे नियम पाळावेत व रसायने हाताळताना काळजी घेण्याची सूचना केली.

याप्रसंगी डॉ. बबन थावकर, प्रा. डॉ. उज्वला थुबे, डॉ. सतीश पांडव, डॉ. प्रदीप कुमार वाघुले, प्रा. अनिकेत इंदुलकर, प्रा. हेमंत ढाकणे, प्रा. स्वीटी भोपी, प्रा. स्वप्नील फालक, प्रा.अक्षता गीध, प्रा. प्रणाली गुडे, प्रा. वैष्णवी काळे, प्रा. भाग्यश्री सूर्यवंशी, प्रा. पूजा मोधळे, प्रा. चेतना वाघ, प्रा. स्वाती चुंबळे उपस्थित होते.

Smart Mumbai Edition
Sep 15, 2023 Page No. 4
Powered by : eReleGo.com

नवराष्ट्र

'जीवनात यशस्वी होण्यासाठी सकारात्मकता आवश्यक'

कर्जत, (वा.) जीवनात यशस्वी होण्यासाठी सकारात्मक दृष्टिकोन, दृढ आत्मविश्वास, ध्येयाप्रती सातत्यपूर्ण कृती त्रिसूत्री आहे. आपल्या जीवनात जे काही आपल्याला मिळाले आहे. त्याबद्दल कृतज्ञता व्यक्त केल्यास मनात सकारात्मक भावना निर्माण होते, म्हणून नेहमी कृतज्ञता व्यक्त केली पाहिजे, असे महत्वपूर्ण प्रतिपादन उत्तुंग भरारी ट्रेनिंग अकॅडमीचे संस्थापक नितीन पाटील यांनी केले.

कोंकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयाच्या वतीने शिक्षक-पालक सभेचे आयोजन करण्यात आले होते. उत्तुंग भरारी ट्रेनिंग अकॅडमीचे संस्थापक नितीन पाटील, महाविद्यालयीन विकास समिती सदस्य विजय मांडे, प्राचार्य डॉ. मोहन काळे, फार्मसी डिप्लोमा विभागाच्या प्रमुख प्रा. मनीषा चौधरी, पालक प्रतिनिधी सुरेंद्र कदम, पल्लवी साळवी आदी उपस्थित होते.याप्रसंगी डिग्री विभागाच्या बद्दल सहयोगी प्राध्यापिका डॉ. रुपाली येवले तर डिप्लोमा विभागा बद्दल प्राध्यापिका मनीषा चौधरी यांनी अभ्यासक्रमा पासून ते परीक्षेचा पॅटर्न महाविद्यालयातील नियम व अटींबद्दल सविस्तर माहिती दिली. प्रयोगशाळा सहाय्यक रेवती देशपांडे यांनी प्रयोग शाळेत विद्यार्थ्यांनी कसे नियम पाळावेत व रसायने हाताळताना के काळजी घेण्याची सूचना केली.

प्राचार्य डॉ. काळे यांनी उपस्थितांचे स्वागत करून प्रास्ताविकात महाविद्यालयाचा चढता आलेख सादर केला. विजय मांडे यांनी हे महाविद्यालय २००६-०७ मध्ये सुरू झाले, मात्र आजपर्यंत कोणत्याही प्रकारची रॅगिंग येथे झाली नाही. हे जरी महाविद्यालय असले तरी एखाद्या शाळेप्रमाणेच आम्ही याकडे कायम लक्ष ठेवतो अशी माहिती. यावेळी डॉ. बबन थावकर, प्रा. डॉ. उज्वला थुबे, डॉ. सतीश पांडव, डॉ. प्रदीप कुमार वाघुलें, प्रा. अनिकेत इंदुलकर, प्रा. हेमंत ढाकणे, प्रा. स्वीटी भोपी, प्रा. स्वप्नील फालक, प्रा.अक्षता गीध, प्रा. प्रणाली गुडे, प्रा. वैष्णवी काळे, प्रा. भाग्यश्री सूर्यवंशी, प्रा. पूजा मोधळे, प्रा. चेतना वाघ, प्रा. स्वाती चुंबळे, प्रा. श्वेता दंगत आदींसह शिक्षकेतर कर्मचारी, पालक व विद्यार्थी उपस्थित होते.

Raigad Plus Edition
15 September 2023 Page No. 3
epaper.navarashtra.com

1 March 2023

फार्मसी महाविद्यालयात जागतिक मराठी भाषा दिन साजरा

शिवनिर्णय/ कर्जत : कोंकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयात जागतिक मराठी भाषा दिन साजरा करण्यात आला. यावेळी विद्यार्थ्यांनी कविता सादर करून समारंभात

महाविद्यालयाच्या सेमिनार हॉल मध्ये समारंभाचे आयोजन करण्यात आले होते. व्यासपीठावर प्राचार्य डॉ. काळे, डॉ. अमोल चांदेकर, प्रा. अनुजा जगदाळे उपस्थित होते. प्रा. अनिकेत इंदुलकर यांनी उपस्थितांचे स्वागत केले. बी. फार्म अंतिम वर्षातील विद्यार्थी कु. प्रथमेश वेवले, कु. मयुरी देशमुख, कु. प्रथम गुरव यांनी कविता सादर केल्या. त्यानंतर प्रा. जगदाळे यांनी 'लाभले आम्हास भाग्य बोलतो मराठी, ही कविता सादर केले.

याप्रसंगी डॉ. यांनी, 'हल्ली इंग्रजी भाषेत शिकण्याची पसंती असल्याने मराठी भाषेकडे दुर्लक्ष होत आहे. अगदी अडीच वर्षांच्या चिमुरड्या मुलाला इंग्रजी माध्यमाच्या शाळेत शिक्षणासाठी पाठवले जाते. तसेच घरातही त्याच्याशी पालकांनी इंग्रजीत



बोलावे असा शिक्षकांकडून आग्रह असतो. त्यामुळे ही मुले मोठी होत असताना मराठी भाषा बोलताना त्यांना अडचण होते. असे होऊ नये म्हणून त्यांना मराठीचे महत्व पटवून द्यावे.' अशी अपेक्षा व्यक्त केली. या प्रसंगी विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

कर्जत महाविद्यालयात मराठी भाषा दिन साजरा

कर्जत : प्रतिनिधी

कोकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयात जागतिक मराठी भाषा दिन साजरा करण्यात आला. यावेळी विद्यार्थ्यांनी कविता सादर करून समारंभात महाविद्यालयाच्या सेमिनार हॉलमध्ये समारंभाचे आयोजन करण्यात आले होते.

प्राचार्य डॉ. मोहन काळे, डॉ. अमोल चांदेकर, प्रा. अनुजा जगदाळे उपस्थित होते. प्रा. अनिकेत इंदुलकर यांनी उपस्थितांचे स्वागत केले. बी. फार्म अंतिम वर्षातील विद्यार्थी



प्रथमेश येवले, मयुरी देशमुख, प्रथम गुरव यांनी कविता सादर केल्या. त्यानंतर प्रा. जगदाळे यांनी 'लाभले आम्हांस भाग्य बोलतो मराठी...' ही कविता सादर केली.

या वेळी डॉ. काळे यांनी, 'हल्ली इंग्रजी भाषेत शिकण्याची पसंती असल्याने मराठी भाषेकडे दुर्लक्ष होत आहे. अगदी अडीच वर्षांच्या चिमुरड्या मुलाला इंग्रजी माध्यमाच्या शाळेत शिक्षणासाठी पाठवले जाते. तसेच घरातही त्याच्याशी पालकांनी इंग्रजीत बोलावे असा शिक्षकांकडून आग्रह असतो. त्यामुळे ही मुले मोठी होत असताना मराठी भाषा बोलताना त्यांना अडचण होते. असे होऊ नये म्हणून पालकांनी त्यांना मराठीचे महत्व पटवून द्यावे.' अशी अपेक्षा व्यक्त केली. या प्रसंगी विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

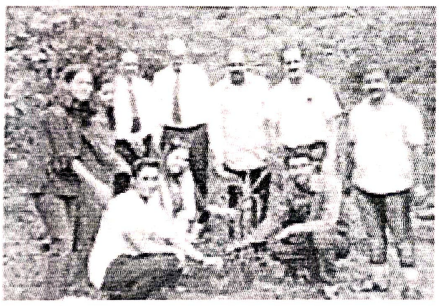
28 Feb. 2023

फार्मेसी कॉलेज में शुरू हुआ वृक्ष संरक्षण सप्ताह, तीन हजार से अधिक वृक्षों का किया गया संरक्षण

विजय मांडे

कर्जत - कोंकण ज्ञानपीठ संस्था के संस्थापक राज्य के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री थे। अप्पासाहेब धारकर की जयंती के अवसर पर राहुल धारकर फार्मेसी कॉलेज के परिसर में एक वृक्ष संरक्षण सप्ताह शुरू किया गया है और पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र में तीन हजार से अधिक पेड़ों का संरक्षण किया गया है।

खुद अप्पासाहेब धारकर को उनकी छवि पर माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय विकास



समिति के सदस्य ज्ञानेश्वर जाधव, दीपक बोराडे, प्रो. प्रीतम जुवाटकर, डॉ. भरत टेकड़े आदि उपस्थित थे। इस मौके पर कॉलेज कमेटी के सदस्य विजय मांडे ने छात्रों को अप्पासाहेब धारकर के कार्यों का महत्व बताया, आइए हम सब मिलकर उनके सपने को साकार करें, अपील की। इसके बाद कॉलेज परिसर में पौधरोपण शुरू किया गया। इसके बाद प्राचार्य डॉ. मोहन काले, जियोविस आयुर्वेद के डॉ. ज्योति सतपुते, डॉ. राज सतपुते, तुकाराम सुर्वे प्रतिष्ठान के अध्यक्ष मुकेश सुर्वे, सचिव मनीषा सुर्वे आदि ने पौधरोपण किया. शिक्षक व छात्र सप्ताह भर पौधारोपण व संरक्षण करने का संकल्प लेकर वृक्ष संरक्षण के लिए एक वृक्ष को अपनाएंगे।

22 July 2022

2 March 2022

'मराठी भाषा जपली तरच आपल्या संस्कृतीची जपणूक होईल'



(छाया : विजय मांडे)

कर्जत : प्रतिनिधी

आपली मायबोली मराठी भाषा आपण जपली तरच आपल्या संस्कृतीची जपणूक होईल, असे प्रतिपादन इतिहास संशोधक व व्याख्याते सागर सुर्वे यांनी कर्जतमध्ये केले.

कोंकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मसी महाविद्यालयाने सेमिनार हॉलमध्ये मराठी राजभाषा दिनाचे आयोजन केले होते. सागर सुर्वे यांच्या हस्ते दीप प्रज्वलित करून समारंभाचे उद्घाटन करण्यात आले. या वेळी सुर्वे यांनी विविध दाखले देत मराठी भाषेतील बारीकसारीक खाचा-खोचा सांगितल्या.

प्राचार्य डॉ. मोहन काळे यांनी प्रास्ताविकात महाविद्यालयाच्या प्रगतीचा आढावा घेतला. एखादी गोष्ट आपल्याला मराठीत सांगितली तर पटकन समजते. त्यामुळे आपल्या भाषेला जपले पाहिजे, असे महाविद्यालयीन विकास समिती सदस्य विजय मांडे यांनी सांगितले.

सूत्रसंचालन प्रा. मनीषा चौधरी यांनी केले. प्रा. अमोल बोराडे, मधुकर सुर्वे, डॉ. अमोल चांदेकर, प्रा. निलोफर खान, रेवती देशपांडे, सुहास गुमे आदिंसह विद्यार्थी, शिक्षक या वेळी उपस्थित होते.

3/01/2022

सकारात्मक सोच अपनाई जाए तो सफलता निश्चित है : नितिन पाटिल

विजय मांडे

कर्जत : कंप्यूटर के इस युग में मोबाइल ने हमारे सोचने का तरीका बदल दिया है। आपके दिमाग में साठ हजार बार सोचने की क्षमता है। नकारात्मक विचार आपके दिमाग में जल्दी प्रवेश कर जाते हैं। आपका व्यवहार, चलने का तरीका, बोलने का तरीका भी आपको बताता है कि आपके विचार कैसे हैं। प्यार हमारे सोचने के तरीके को भी समझता है। इसलिए पहले खुद से प्यार करना सीखिए ताकि बाद में कोई परेशानी न हो। खान-पान भी अच्छा होना चाहिए। यह सकारात्मक सोचने में भी मदद करता है। सकारात्मक सोच अपनाई जाए तो सफलता निश्चित है।' ऐसा ही अहम बयान उत्तुंग भरारी के नितिन पाटिल ने दिया।

कोंकण ज्ञानपीठ राहुल धारकर फार्मेसी महा विद्यालय के सेमिनार हॉल में प्रथम वर्ष के छात्रों के अभिभावकों की बैठक आयोजित की गई। समारोह का उद्घाटन नितिन पाटिल के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संस्था के सचिव प्रदीप शृंगारपुरे, महाविद्यालय विकास समिति के सदस्य विजय मांडे, प्राचार्य डॉ. मोहन काले,



डॉ. एम। एस। घडगे, अभिभावक प्रतिनिधि नरेश म्हात्रे आदि उपस्थित थे।

प्रा. गोडे ने परीक्षा कैसे आयोजित की जाती है और अंक कैसे दिए जाते हैं, इस बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रा. प्रीतम जुवाटकर ने सिलेबस, शेड्यूल और मिलिंग टर्न के बारे में बताया। प्रा. पूनम पाटिल ने महाविद्यालय एवं महाविद्यालय में क्रियान्वित अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। प्रिंसिपल काले ने फार्मेसी के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर प्रकाश डाला और छात्रों को क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए अधिक ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। व्याख्या की। डॉ। एम। एस। घडगे ने कहा, 'आप जिन छात्रों को इस कॉलेज में प्रवेश मिला है, वे वास्तव में भाग्यशाली हैं। कॉलेज ने कोरोना काल में पढ़ाना बंद नहीं किया, बल्कि 200 से अधिक वेबिनार आयोजित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। व्याख्या की। शृंगारपुरे ने कहा, 'हमारे संस्थान के किसी भी कॉलेज में रैगिंग नहीं हुई है, माता-पिता को अपने बच्चों की चिंता नहीं करनी चाहिए।' ऐसा शब्द दिया। विजय मांडे ने कहा, 'माता-पिता या छात्र किसी भी समय किसी भी तरह की परेशानी होने पर मुझसे संपर्क करें, मैं इसे हल करने की पूरी कोशिश करूंगा।' ने कहा कि। सूत्रसंचलन प्रा. श्वेता गायकवाड ने अभिनय किया। बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद थे।

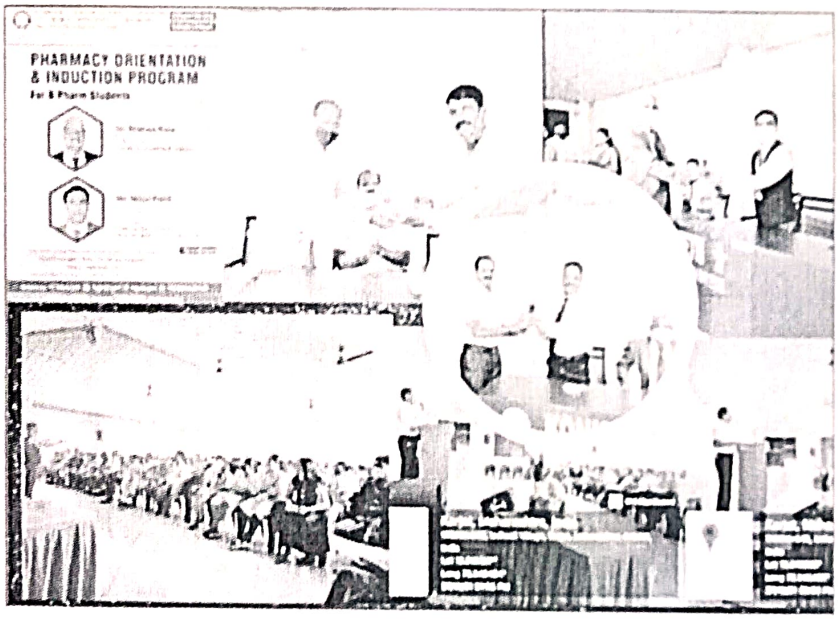
Induction Program for B. Pharm Students Held at KGRDCP&RI

First year students of B. Pharmacy were filled with positive thoughts during the orientation and Induction program at KGRDCP & RI Karjat

Karjat. Karjat- KGRDCP & RI, Karjat organized a one day orientation and induction program for first year B. Pharm students on December 27, 2021. Eminent motivational speakers such as Nitin Patil, founder of Uttung Bharati Training Academy, Pradeepchandra Shringarpure, CEO and Treasurer and Mande, LMC member of Konkan Gyanpeeth Trust were present on the occasion.

Nitin Patil, Founder Uttung Bharati Training Academy delivered his speech on "The power of positive attitude". He shared the five unique formulae for staying positive in life. He explained the importance of meditation, brisk walk, affirmations, visualization, identity, prayer, love, adaptation, new skills, gratitude, enthusiasm, music, kindness, acceptance, and donation in our lives and also guided everyone to improve and develop these skills in ourself to enhance and maintain positive attitude. He also highlighted the importance of boosting self-confidence. "Wear the Jewel of confidence and blossom your personality. Adapt self-discipline and see the amazing transformation happening in your life" said Patil.

Dr. Mohan Kale explained the importance of vaccination in order to re-open offline mode of education. Dr. Kale shared his thoughts on "Career in Pharmacy" elaborating on the career options for the pharmacists in various fields viz. Medical writing, Regulatory affairs, Production, Quality control, Quality Assurance, Marketing, Medical devices etc. Dr. Kale motivated the students to become competent pharmacy professionals imbibing universal human values. He encouraged them by sharing the journey of his students to today's successful entrepreneur. Pradeepchandra Shringarpure, CEO and Treasurer and Mande, LMC member, Konkan Gyanpeeth Trust assured the students and their parents that ragging is prohibited in the college premises. Poonam Patil, Assistant Professor introduced the attendees about KGRDCP & RI institute, college activities and accomplishments. Nilesh Gorde, Assistant Professor guided the students about the new syllabus, number of subjects, scheme of examination and exam rules for first year bachelor in pharmacy.



Pritam Juvatkar, Assistant Professor shared detailed information about rules and regulations, do's and don'ts, uniforms, mentor-mentee scheme, vaccination, anti-ragging and other guidelines related to the institute. Additionally all faculty members introduced themselves to the students, parents and addressed their academic doubts. All the students and parents enjoyed and cherished the program for getting a complete induction on diploma in pharmacy course and left the institute with positive thoughts to begin their journey in Pharmacy education and profession.





24 March 2025

पुण्य नगरी

यशस्वी होण्यासाठी पाच सूत्रे महत्त्वाची

डॉ. प्रकाश ब्राह्मणकर यांचे विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन



कर्जत : आपले जीवन सफल होण्यासाठी पाच सूत्रे महत्त्वाची आहेत. पहिले सतत वाचन करावे. त्यामुळे आपल्या बुद्धीत भर पडते. दुसरे ऐकून घेण्याची कला आत्मसात करावी. तिसरे दुसऱ्याचे कौतुक करण्यात कंजुसी नसावी. चौथे आयुष्यभर काहीना काही शिकत रहावे आणि पाचवे सूत्र म्हणजे मेहनत असा महत्त्वपूर्ण सल्ला जेष्ठ विचारवंत डॉ. प्रकाश ब्राह्मणकर यांनी पदवीदान समारंभात विद्यार्थ्यांना दिला.

कोकण ज्ञानपीठ कर्जत अभियांत्रिकी महाविद्यालयाच्या वतीने सेमिनार हॉल मध्ये पदवीदान समारंभाचे आयोजन केले होते. डॉ. ब्राह्मणकर यांच्या हस्ते दीप प्रज्वलित करून समारंभाचे उदघाटन करण्यात आले. याप्रसंगी संस्थेचे उपाध्यक्ष शिशिर धारकर, प्राचार्य डॉ. विलास पिल्लेवान, उरण महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. बळीराम गायकवाड, महाविद्यालयीन विकास समिती सदस्य राजेश लाड, प्रकाश पालकर, दीपक बोराडे, ज्ञानेश्वर जाधव उपस्थित होते.

प्राचार्य डॉ. पिल्लेवान यांनी उपस्थितांचे स्वागत करून महाविद्यालयाचा शैक्षणिक अहवाल सादर केला. प्रा. अनुप कुंटे यांनी प्रास्ताविक केले. यावेळी महाविद्यालयीन विकास समिती सदस्य विजय मांडे यांना 'रायगड भूषण' पुरस्कार मिळाल्याने त्यांचा विशेष सत्कार करण्यात आला. यानंतर ३५० विद्यार्थ्यांना पदवी प्रमाणपत्रे प्रदान करण्यात आली. याप्रसंगी उपप्राचार्य राजकुमार नारखेडे, प्रा. जी. एस. धानोरकर, प्रा. एस. एम. पाटील, प्रा. जी. व्ही. दाखवे यांच्या सह संदीप लाड, राहुल देशमुख, अनिल घरत आदी उपस्थित होते.